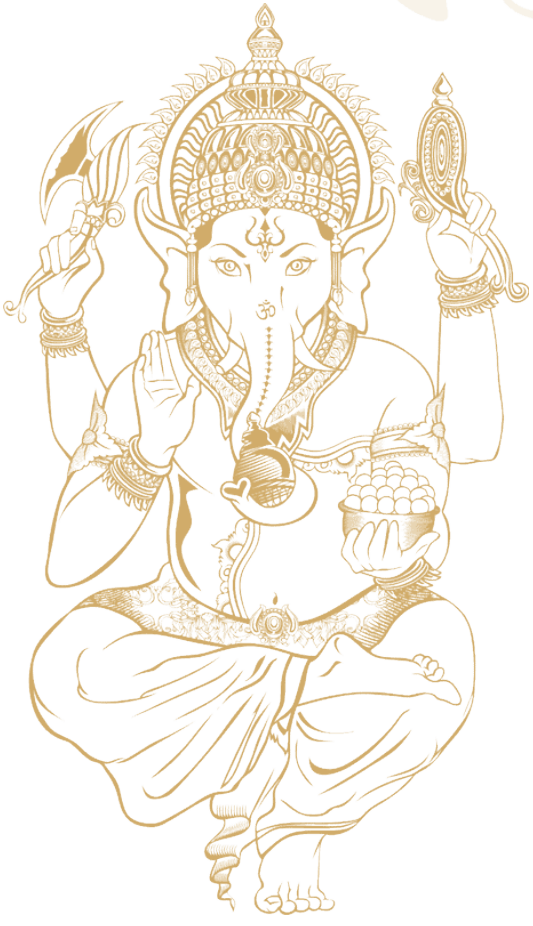

Ravimder kumar

24 May 1968

06:00 PM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121770304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/05/1968**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:00:00 घंटे**
इष्ट	30:44:09 घटी
स्थान	**Hyderabad**
राज्य	Telangana
देश	India

अक्षांश	17:22:00 उत्तर
रेखांश	78:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:43:44 घंटे
वेलान्तर	00:03:15 घंटे
साम्पातिक काल	09:52:24 घंटे
सूर्योदय	05:42:20 घंटे
सूर्यास्त	18:44:03 घंटे
दिनमान	13:01:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	09:58:01 वृष
लग्न के अंश	00:55:18 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सौभाग्य
करण	गर
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चो-चोलुक्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	00:55:18	324:58:36	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			वृष	09:58:01	00:57:39	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	09:39:59	11:50:04	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	वृष	17:42:08	00:41:31	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
बुध			मिथु	02:31:15	00:56:16	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	स्वराशि
गुरु			सिंह	03:58:55	00:05:34	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र		अ	वृष	02:40:10	01:13:42	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	स्वराशि
शनि			मीन	27:49:07	00:06:16	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु	व		मीन	24:37:29	00:02:10	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	24:37:29	00:02:10	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कन्या	01:41:34	00:00:27	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		वृश्चि	01:31:11	00:01:36	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
प्लूटो	व		सिंह	26:46:11	00:00:13	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
दशम भाव			सिंह	02:25:50	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:24:50

लग्न-चलित

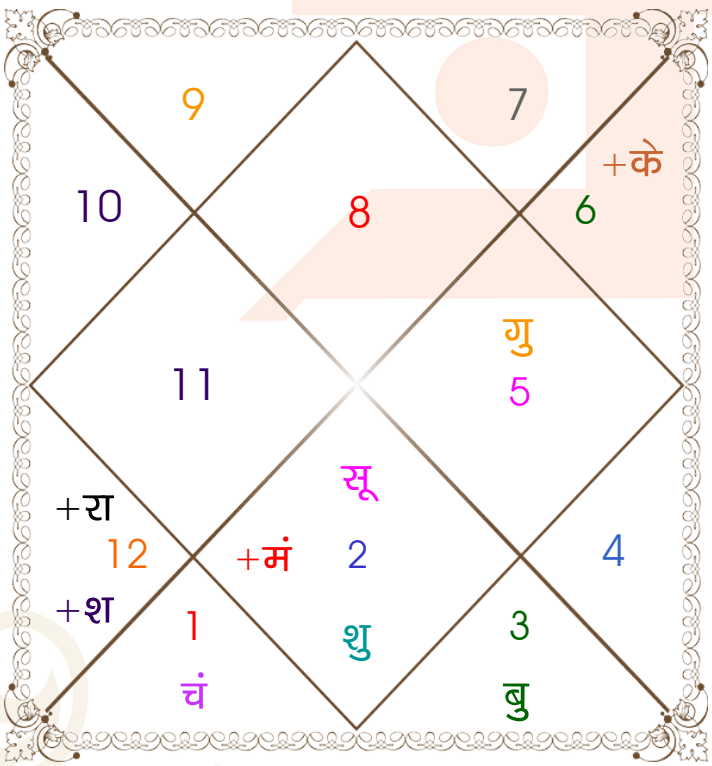

चन्द्र कुंडली

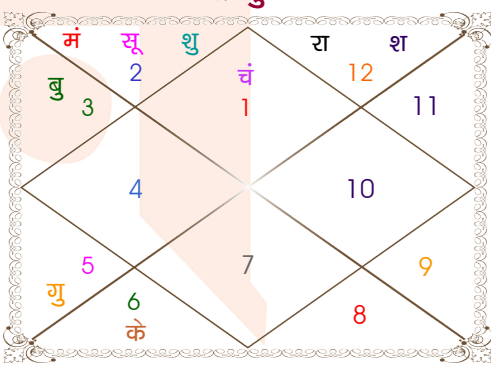

नवमांश कुंडली

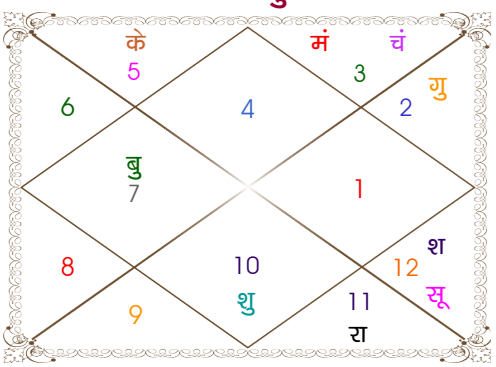

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 11 मास 3 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/05/1968		27/04/1970		27/04/1990		27/04/1996		27/04/2006	
27/04/1970		27/04/1990		27/04/1996		27/04/2006		27/04/2013	
	00/00/0000	शुक्र	27/08/1973	सूर्य	15/08/1990	चंद्र	25/02/1997	मंगल	24/09/2006
	00/00/0000	सूर्य	27/08/1974	चंद्र	14/02/1991	मंगल	26/09/1997	राहु	12/10/2007
	00/00/0000	चंद्र	27/04/1976	मंगल	21/06/1991	राहु	28/03/1999	गुरु	17/09/2008
	00/00/0000	मंगल	27/06/1977	राहु	15/05/1992	गुरु	27/07/2000	शनि	27/10/2009
	00/00/0000	राहु	27/06/1980	गुरु	03/03/1993	शनि	26/02/2002	बुध	24/10/2010
	00/00/0000	गुरु	26/02/1983	शनि	13/02/1994	बुध	28/07/2003	केतु	22/03/2011
	24/05/1968	शनि	27/04/1986	बुध	21/12/1994	केतु	26/02/2004	शुक्र	21/05/2012
शनि	30/04/1969	बुध	25/02/1989	केतु	28/04/1995	शुक्र	27/10/2005	सूर्य	26/09/2012
बुध	27/04/1970	केतु	27/04/1990	शुक्र	27/04/1996	सूर्य	27/04/2006	चंद्र	27/04/2013

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/04/2013		28/04/2031		28/04/2047		27/04/2066		28/04/2083	
28/04/2031		28/04/2047		27/04/2066		28/04/2083		00/00/0000	
राहु	08/01/2016	गुरु	15/06/2033	शनि	30/04/2050	बुध	23/09/2068	केतु	24/09/2083
गुरु	03/06/2018	शनि	27/12/2035	बुध	08/01/2053	केतु	20/09/2069	शुक्र	23/11/2084
शनि	09/04/2021	बुध	03/04/2038	केतु	16/02/2054	शुक्र	21/07/2072	सूर्य	31/03/2085
बुध	27/10/2023	केतु	10/03/2039	शुक्र	18/04/2057	सूर्य	28/05/2073	चंद्र	30/10/2085
केतु	14/11/2024	शुक्र	08/11/2041	सूर्य	31/03/2058	चंद्र	27/10/2074	मंगल	28/03/2086
शुक्र	15/11/2027	सूर्य	27/08/2042	चंद्र	30/10/2059	मंगल	24/10/2075	राहु	15/04/2087
सूर्य	08/10/2028	चंद्र	27/12/2043	मंगल	08/12/2060	राहु	13/05/2078	गुरु	21/03/2088
चंद्र	09/04/2030	मंगल	02/12/2044	राहु	15/10/2063	गुरु	18/08/2080	शनि	24/05/2088
मंगल	28/04/2031	राहु	28/04/2047	गुरु	27/04/2066	शनि	28/04/2083		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 11 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।